स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर – 335001

Phone : 0154 – 2440619, Fax : 0154 – 2440703, web. : www.raubikaner.org Email : arssgnr2003@gmail.com

मौसम आधारित कृषि साप्ताहिकी

(**Agromet Advisory Bulletin No. : 97/2024**)

जिला – श्रीगंगानगर

जारी करने की तिथि : 05.03.2024

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षा: पिछले 5 दिनों के दौरान हल्के से मध्यम बादल छाये रहे व इस दौरान अधिकतम तापमान 20.1–24.3 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 9.5–10.4 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहा। इस दौरान हल्की से मध्यम गति की हवायें उत्तर–पश्चिम दिशा से चली।

आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणी: राज्य मौसम विभाग जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर श्रीगंगानगर में आगामी 5 दिनों के दौरान आसमान में दिनांक 9 मार्च को मध्यम से घने बादल छाये रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 21.0–25.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 7.0–12.0 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान हल्की से मध्यम गति की हवायें उत्तर–पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है।

दिनांक	05 मार्च	06 मार्च	07 मार्च	08 मार्च	09 मार्च
वर्षा (मि.मी)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (^{o}सेल्सियस)	21	23	23	23	25
न्यूनतम तापमान (^{o}सेल्सियस)	7	8	9	10	12
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	8
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) अधिकतम	32	29	37	37	25
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) न्यूनतम	11	14	15	11	11
हवा की गति (कि.मी./घंटा)	11	12	11	12	9
हवा की दिशा	NNW	NNW	NNW	North	NNE

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्ताह में प्रथम चार दिनों के मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाईयों को निम्न सलाह दी जाती है एवं मौसम की दैनिक जानकारी के लिये अपने मोबाइल में **मेघदूत, मौसम और दामिनी ऐप** एवं फसल के लिये **(gram ganganagar, mustard ganganagar, wheat ganganagar, kinnow ganganagar & cotton ganganagar)** प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड करें।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह (Agricultural Advisory)
गेहूँ	बाली बनना	सिंचाई	• समय पर बोई गई गेहूं की फसल में चौथी सिचांई तीसरी सिंचाई के 15–20 दिन बाद (बाली आने पर) देवें। पिछेती बोई गई गेहूँ की फसल में तीसरी सिंचाई दूसरी सिंचाई के 25–30 दिन बाद (गांठ बनने पर) करे।
		दीमक नियंत्रण	• गेहूँ की फसल में दीमक का अत्यधिक प्रकोप होने पर क्लोरोपाइरीफॉस (20 ई.सी.) 1 लीटर या इमिडाक्लोप्रिड (17.8 एस.एल.) का 125 मिली. प्रति बीघा की दर से सिंचाई पानी के साथ देवें।
		पीली रोली रोग	• यदि गेहूँ की अगेती फसल में पत्तियों पर पीले (हल्दिया) रंग का पाउडर रेखीय धारियों के रूप में दिखाई देवें तो इसके नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजॉल 25 ई.सी. या टेबूकोनाजॉल 25.9 ई.सी. का एक मिली. लीटर पानी की दर से बनाकर छिड़काव करें।
सरसों	फली बनना	सिंचाई	• यदि फसल को तीसरी सिंचाई की आवश्यकता हो तो बुवाई के 90–100 दिन बाद (फलियों में दाना बनते समय) देवें।
		छाछ्या रोग	• इस रोग के लक्षण शुरू में पौधे की पत्तियों व टहनियों पर मटमैले सफेद चूर्ण के रूप में दिखाई देवें, जो बाद में सम्पूर्ण पौधे में फैल जाती है तत्पश्चात् पत्तियां पीली होकर झड़ जाती है। लक्षण दिखाई देने पर डाईनोकेप 48 ई.सी. 0.1 प्रतिशत घोल (1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर) या सल्फर डस्ट 5 किग्रा या घुलनशील गंधक 0. 2 प्रतिशत (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) प्रति बीघा के हिसाब से छिड़काव करे।
		तना गलन	• सरसों की फसल में तना गलन व झुलसा रोग होने पर कार्बेडाजिम 12 प्रतिशत एवं मेन्कोजेब 63 प्रतिशत के मिश्रण का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
चना	पुष्पन व फली बनना	हरी लट	• फली छेदक से बचाव के लिए एक फेरोमेन ट्रेप प्रति बीघा में लगाये अथवा चनें में यदि हरी लट दिखाई देवें तो इसके नियंत्रण हेतु क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत 6 किलो प्रति बीघा की दर से फसल पर भुरकाव करें।
जायद मूंग	––	बिजाई	• जायद मूंग की बुवाई मार्च के महीने में कर सकते है। इसके लिये किसान भाई किसी प्रमाणित स्त्रोत से बीज का संग्रह करे। सिफारिश किस्म एस.एम.एल. 668 के लिये बीज की मात्रा 5–6 किलो प्रति बीघा की दर से प्रयोग करे तथा कतार से कतार की दूरी 22.5 सेमी. रखे।
जौ	गांठ व बाली	सिंचाई	• यदि बाली निकलने समय पानी की कमी हो तो सिंचाई करे।
		रोली रोग	• फसल में रोली रोग के लक्षण दिखाई देने पर गंधक पाउडर 25 किग्रा प्रति हैक्टेयर सुबह या शाम के समय बुरकाव करे। यह बुरकाव 15–20 दिन के अंतराल पर करे।
गन्ना	बिजाई	–	• गन्ने की बिजाई का उपयुक्त समय चल रहा है। अतः किसान भाई गन्ने की बिजाई के लिए अच्छी किस्म के बीजू गन्ने जैसे CO 05009, CO 6617, CO 7717, COS 95255, COS 767 और COH 99 का उपयोग करें। बीजोपचार हेतु 0.1 प्रतिशत कार्बेन्डाजिम का उपयोग करें। 15 से 20 क्विंटल प्रति बीघा की दर से बीजू गन्ने की बुवाई करें।
किन्नू	–	कटाई छंटाई	• फल तुड़ाई के बाद में बाग की साफ सफाई करके जुताई कर दें तथा पेड़ों में कंटाई छंटाई करके गुल्ले, सूखी एवं बढ़ी हुई टहनियों को काट देवें। कटाई के बाद बोर्डेक्स मिक्चर (2:2:250) का छिड़काव करें।

नोट :– अधिक जानकारी के लिए केन्द्र की किसान हेल्पलाईन मोबाईल न0 9828840302 पर सम्पर्क करें।

तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान एवं
नोडल ऑफिसर–ग्रामीण कृषि मौसम सेवा